

साधिका वि./स्त्री. (तत्.) 1. साधना करने वाली 2. कुशल स्त्री 2. गहरी नींद।

साधिकार अव्य. (तत्.) 1. अधिकारपूर्ण 2. अधिकार के साथ, अधिकारपूर्वक वि. 1. जो अधिकार प्राप्त हो, अधिकार संपन्न 2. अधिकार युक्त किया हुआ, कहा गया, उसका साधिकार निर्णय था।

साधित वि. (तत्.) 1. जिसे सिद्ध किया गया हो, निष्पन्न 2. जिसका साधन किया गया हो 3. शुद्ध किया हुआ 4. वश में किया हुआ 4. जिसे दंड दिया गया हो, दंडित 5. उन्मुक्त।

साधित्र पुं. (तत्.) वह वस्तु या कोई साधन जिसकी सहायता से कोई कार्य पूरा किया जाए उदा. उपकरण apparatus

साधी वि. (तत्.) 1. (कोई कार्य) सिद्ध करने वाला 2. साधने वाला 3. किसी दुष्ट की योजना में सहायक होने वाला 4. साधक उदा. जो सो चोर, सोई साधी कबीर।

साधु वि. (तत्.) 1. सज्जन, श्रेष्ठ 2. अच्छा, भला, दोषरहित 3. निपुण, चतुर, गुणी 4. उचित, मुनासिब, वाजिब पुं. गेरुआ वस्त्रधारी महात्मा, मुनि अव्य. बहुत अच्छा, शाबाश, पर्याप्त।

साधुकारी वि. (तत्.) 1. उत्तम कार्य करने वाला 2. परहित जैसे अच्छे कार्य करने में प्रवृत्तशील।

साधुज वि. (तत्.) उत्तमकुलमें उत्पन्न, उच्चकुलीन।

साधुजात वि. (तत्.) 1. उत्तम कुल में पैदा हुआ, कुलीन 2. साफ सुथरा, स्वच्छ 3. प्रकृति में सुंदर 4. चमकीला।

साधुता स्त्री. (तत्.) 1. साधु होने की अवस्था, गुण या भाव 2. सज्जनता 3. सीधापन, सरलता।

साधुत्व पुं. (तत्.) दे. साधुता।

साधुभाव वि. (तत्.) 1. संत होने की अवस्था या गुण या भाव 2. सज्जनता 3. परहित की भावना 4. उत्तम विचार 5. साधुता 6. सरलता 7. भोलापन।

साधुमति/साधुमती स्त्री. (तत्.) 1. तांत्रिकों की एक प्रसिद्ध देवी 2. दसवीं पृथ्वी (बौद्ध)।

साधुवाद पुं. (तत्.) 1. प्रशंसावाचक शब्द, शाबाशी 2. किसी के अच्छा आचरण या कर्म करने या वाह-वाह आदि कहे जाने वाले शब्द।

साधुवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. सद्गुणी जीवनशैली 2. सच्चरित्रता 3. ईमानदारी पुं. 1. उत्तम स्वाभाविक प्रवृत्ति वाला व्यक्ति 2. उत्तम आचरणशील।

साधुवेष पुं. (तत्.) 1. सुंदर वेष 2. महात्मा का वेष 3. सात्विक वेशभूषा वि. 1. जो उत्तम वस्त्रों से सुसज्जित हो 2. संतों के वेष वाला।

साधुसंसर्ग पुं. (तत्.) 1. सज्जनों की संगति 2. संतपुरुषों की संगति, सत्संगति।

साधु-साधु वि. (तत्.) बहुत अच्छा, वाह-वाह, शाबाश, धन्य धन्य।

साधू पुं. (तत्.) 1. संत, महात्मा 2. विरक्त व त्यागी व्यक्ति।

साधो पुं. (तत्.) संस्कृत में 'साधु' का संबोधन का रूप जैसे- कहे कबीर सुनो-भइ साधो।

साध्य वि. (तत्.) 1. जो निष्पन्न होने योग्य हो 2. सिद्ध किया जाने योग्य 3. स्थापित करने योग्य पुं. 1. आराध्य 2. लक्ष्य न्याय. लक्ष्य अनुभव, वह पदार्थ जिसका अनुमान किया जा सके 4. गणि. जिस तथ्य की स्पष्टता के लिए उत्पत्ति देना आवश्यक होता है।

साध्य सिद्धि स्त्री. (तत्.) 1. इष्ट कार्य का पूरा होना 2. लक्ष्य की प्राप्ति 3. प्रमाणित किए जाने योग्य विषय की उपपत्ति।

साध्यता स्त्री. (तत्.) 1. साध्य होने की अवस्था या भाव 2. किसी कार्य के सिद्ध होने की संभावना 3. विशेष औषधि द्वारा किसी रोग के दूर, नष्ट होने की संभावना।

साध्यत्व पुं. (तत्.) साध्य होने का गुण या भाव, साध्यता।